मदर इण्डिया (Mother India) 1957 में बनी भारतीय फिल्म है जिसे महबूब खान द्वारा लिखा और निर्देशित किया गया है। फिल्म में नर्गिस, सुनील दत्त, राजेंद्र कुमार और राजकुमार की मुख्य भूमिका हैं। फिल्म महबूब खान द्वारा निर्मित औरत (1940) का रीमेक है। यह गरीबी से पीड़ित गाँव में रहने वाली औरत राधा की कहानी है जो कई मुश्किलों का सामना करते हुए अपने बच्चों का पालन पोषण करने और बुरे जागीरदार से बचने के लिए मेहनत करती है। उसकी मेहनत और लगन के बावजूद वह एक देवी-स्वरूप उदाहरण पेश करती है व भारतीय नारी की परिभाषा स्थापित करती है और फिर भी अंत में भले-के लिए अपने गुण्डे बेटे को स्वयं मार देती है। वह आज़ादी के बाद के भारत को सबके सामने रखती है।

यह फिल्म अब तक बनी सबसे बड़ी बॉक्स ऑफिस हिट भारतीय फिल्मों में गिनी जाती है और अब तक भारत की सबसे बढ़िया फिल्म मानी जाती है। इसे 1958 में तीसरी सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया था। *मदर इण्डिया*, *किस्मत* (1943), *मुगल-ए-आजम* (1960) और *शोले* (1975) के साथ उन चुनिन्दा फिल्मों में आती है जिन्हें आज भी लोग देखना पसंद करते हैं और यह हिन्दी सांस्कृतिक फिल्मों की श्रेणी में विराजमान है। यह फिल्म भारत की ओर से पहली बार अकादमी पुरस्कारों के लिए भेजी गई फिल्म थी।

प्लॉट–फिल्म की शुरुआत वर्तमान काल में गाँव के लिए एक पानी की नहर के पूरा होने से होती है। राधा (नर्गिस) गाँव की माँ के रूप में, नहर का उद्घाटन करती है और अपने भूतकाल पर नजर डालती है जब वह एक नई दुल्हन थी।

राधा और शामू राज कुमार की शादी का खर्चा राधा की सास ने सुखीलाला से उधार लेकर उठाया था। इस के कारण गरीबी और मेहनत के कभी न खत्म होने वाले चक्रव्यूह में राधा फँस जाती है। उधार की शर्तें विवादास्पद होती है परन्तु गाँव के सरपंच सुखीलाला के हित में फैसला सुनाते

Scanned by TapScanner